

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था

Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)

An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture



प्रेस विज्ञापित

दिल्ली पुस्तक मेले में साहित्य अकादेमी द्वारा साहित्य मंच कार्यक्रम सम्पन्न

नई दिल्ली, 27 अगस्त 2018। साहित्य अकादेमी द्वारा आज 24वें दिल्ली पुस्तक मेले में साहित्य मंच कार्यक्रम का आयोजन हॉल नं. 7 में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात कथाकार एवं पत्रकार सुरेश उनियाल ने की। अरुण कुमार एवं हीरालाल राजस्थानी ने दलित स्वरों को प्रधानता देते हुए अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं। उनकी कविताओं में एक बड़े वर्ग द्वारा छीनी गई बुनियादी जरूरतों का जिक्र बड़ी संवेदना के साथ किया गया। शशिभूषण द्विवेदी ने अपनी कहानी 'बार्डर' के अंतर्गत सीमा वाले बार्डर की जगह हमारे सामाजिक जीवन में खींचे गए कई बार्डरों का जिक्र करते हुए कहा कि हम अपने जीवन में हर पल हर जगह ऐसी परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं जो सीमा पर हो रही तनातनी से कम नहीं। हर्षवर्धन आर्य ने लड़कियों की शिक्षा के अलावा विभिन्न सामाजिक कुरीतियों पर टिप्पणी करते हुए अपना गीत 'आज लहू की जात पूछने निकला हूँ' का सस्वर पाठ किया। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्षता कर रहे कथाकार सुरेश उनियाल ने अपनी एक कहानी 'एक औरत की जली हुई लाश' का पाठ किया। कहानी एक औरतों के शारीरिक शोषण को उद्घाटित करती है।

कार्यक्रम के आरंभ में कार्यक्रम का संचालन कर रहे साहित्य अकादेमी में हिंदी संपादक अनुपम तिवारी ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि साहित्य अकादेमी विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों के साथ ही पुस्तक मेलों में भी साहित्यिक आयोजन अवश्य करती है, जिससे पाठक द्वारा पढ़ी जाने वाली रचनाओं को अपने सामने प्रस्तुत होते हुए देखें और उसका आनंद ले सकें। उन्होंने साहित्य अकादेमी द्वारा पिछले वर्ष आयोजित 565 कार्यक्रम तथा प्रकाशित 556 पुस्तकों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि साहित्य अकादेमी 24 भारतीय भाषाओं के साहित्य के विकास और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत है। कल दिल्ली पुस्तक मेले में साहित्य अकादेमी द्वारा महिला लेखन को समर्पित 'अस्मिता' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसकी अध्यक्षता प्रख्यात कथाकार एवं कवयित्री ममता कालिया करेंगी।

(के. श्रीनिवासराव)